



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

8w
27/11

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 459] नई दिल्ली, बुधवार, अगस्त 31, 1989/भाद्र 9, 1911
No. 459] NEW DELHI, THURSDAY, AUGUST 13, 1989/BHADRA 9, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 31 अगस्त, 1989

सं. 41/89-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क (एन टो)

सा. का. नि. 797 (अ):—केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसी प्रथा के अनुसार जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 3 के अधीन केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क के उद्ग्रहण की भाँति (जिसके अन्तर्गत उनका उद्ग्रहण न किया जाता है) साधारणतया प्रचलित थी, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की अनुसूची के अध्याय 73 के अन्तर्गत अपने

2417 GI/89

(1)

वाले ऐसे स्टील बीड बायर रिंगों पर, जिनका प्रयोग माइकिनी/राइकिल रिक्शा टायरों के विनिर्माण में किया जाता है, उत्पाद-शुल्क 1 मार्च, 1986 का प्रारंभ होने वाला और 12 मई, 1988 को समाप्त होने वाला अवधि के दौरान उद्ग्रहण नहीं किया गया था।

अतः, अब, केन्द्रीय सहकार, उक्त केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और ममक अधिनियम, 1944 की धारा 11ग द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देता है कि ऐसे स्टील बीड लायर रिंगों पर, यदि उक्त प्रथा न होती तो, उक्त अधिनियम के अधीन संदेय समस्त उत्पाद-शुल्क ऐसे स्टील बीड लायर रिंगों की बाबत संदेय किया जाना उपेक्षित नहीं होगा जिन पर उक्त उत्पाद-शुल्क उक्त प्रथा के अनुसार पूर्वोक्त अवधि के दौरान उद्ग्रहीत नहीं किया गया था।

[फा. सं. 139/32/88-के.उ.शु. -4

शिशिर कुमार, उप-सचिव।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi; the 31st August, 1989.

NO. 41/89-CENTRAL EXCISE (NT)

G.S.R. 797 (E).—Whereas the Central Government is satisfied that according to a practice that was generally prevalent regarding levy of duty of excise (including non-levy thereof) under section 3 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the duty of excise on steel bead wire rings falling within the Chapter 73 of the Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), and used in the manufacture of cycle/cycle rikshaw tyres was not being levied during the period commencing from 1st March 1986 and ending with 12th May, 1988.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 11 C of the said Central Excises and Salt Act, 1944 the Central Government hereby directs that the whole of the duty of excise payable under the said Act on such steel bead wire rings, but for the said practice, shall not be required to be paid in respect of such steel bead wire rings, on which the said duty of excise was not levied during the period aforesaid in accordance with the said practice.

[F. No. 139/32/88-CX.4

SHISHIR KUMAR, Dy. Secy.